

छदिवाड़ा का गोदड़देव मंदिर राज्य संरक्षति स्मारक घोषति

चर्चा में क्यों?

18 अप्रैल, 2023 को मध्य प्रदेश संस्कृतविभाग द्वारा छदिवाड़ा के गोदड़देव मंदिर को राज्य संरक्षति स्मारक घोषति किया गया है।

प्रमुख बदि

- गोदड़देव मंदिर छदिवाड़ा ज़िले की तहसील चांद के नीलकंठी कला कषेत्र में स्थति है।
- संस्कृतविभाग द्वारा मध्य प्रदेश प्राचीन स्मारक पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधनियम-1964 के तहत इसे राज्य संरक्षति स्मारक घोषति किया गया है।
- गौरतलब है किलचुरियों के समकालीन एवं राज्य सीमा से लगे होने के कारण इस मंदिर का वास्तुशिल्प लगभग कलचुरिस्थापत्य से मलिता है। इसका नरिमाण लगभग 13वीं सदी में हुआ।
- भगवान शवि को समर्पति यह मंदिर भूमतिर शैली का है। भूवनियास में गर्भ गृह, अंतराल एवं मंडप हैं। मंदिर का जंघा तक का पृष्ठ भाग अपने मूल स्वरूप में है। गर्भ गृह भूतलीय है, जसिमें शविलगि स्थापति है। वहाँ तक जाने के लयि सोपान है। अंतराल की रथिकाओं में गौरी व भैरव की प्रतमिाएँ स्थापति हैं। द्वार शाखा में सप्त मात्राएँ उत्कीर्ण हैं।
- गर्भ गृह एवं मंडप के ध्वस्त होने पर स्थानीय लोगों के द्वारा जीर्णोदार कराया गया है। मंदिर परसिर में मंडप के स्तंभ दृष्टव्य है। एक स्तंभ पर देवनागरी में संस्कृत भाषा के अस्पष्ट लेख हैं। इस मंदिर से कुछ दूरी पर दो और मंदिरों के भग्नावशेष हैं।